# जनकपुर में नागरिक अभिनंदन के दौरान संबोधन

**महामहिम, नेपाल के उप प्रधानमंत्री श्री बिमलेन्द्र निधि,**

**माननीय संसद सदस्य,**

**जनकपुर के पदाधिकारी,**

**मेरे साथ भारतीय संसद सदस्य**

**विशिष्ट अतिथिगण, देवियो और सज्जनो**

जनकपुर की इस प्राचीन नगरी के लोगों ने जिस गर्मजोशी से मेरा स्वागत औरसत्कार किया है, उससे मैं अभिभूत हूं |जनकपुर की इस धरती पर आकर मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है | यह धरतीदेवी सीता की धरती है,जो कि भारत और नेपाल दोनों में समान रूप से आदरणीय हैं |

जनकपुर हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत के सबसे अच्छे उदाहरणों में से एक है | प्राचीन काल से ही ज्ञान का केंद्र रहे जनकपुर ने दुनिया के कोने-कोने से विद्वानों को आकृष्ट किया है | यह सभी धर्मों के बुद्धिजीवियों और विद्वानों का उर्वर संगम स्थल रहा है |

इस प्रसिद्ध नगरी के शासक और देवी सीता के पिता राजा जनक को इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने इस नगरी के निवासियों के बीच बौद्धिकता और ज्ञान का वातावरण विकसित किया|

इस नगरी के आसपास पुरातात्विक खुदाई से प्राप्त प्राचीन ग्रंथों, पांडुलिपियों, सिक्कों और मूर्तियों से ज्ञानकेएककेंद्रकेरूपमेंजनकपुरकीप्रसिद्धिकास्पष्टपताचलता है |मुझे पता चला है कि ऋग्वेद के प्रथम मंडल की सबसेप्राचीनपांडुलिपिकोजनकपुरकेपासखोजागयाहै ।

प्राचीनकालसेहीयहनगरीविविधसंस्कृतियोंऔरधर्मों का समागम स्थल रही है ।हमारेलोक-साहित्यमेंअनेकऐसी कहानियोंका संदर्भ आता है जिनमें भगवान बुद्ध और महावीर द्वारा अपनी आध्यात्मिक यात्राओं के दौरान जनकपुर में आने का उल्लेख मिलता है ।

हिंदुत्व के अलावा, बुद्ध, जैन और इस्लाम की भी जड़ें जनकपुर में मिली हैं।यहएकऐसा शहरहैजिसकीस्थापनाविद्वत्ता, सत्कारऔरसमन्वयकीनींवपरहुईहै ।

भारत– नेपालसंबंधोंकोइनप्राचीनसंबंधोंऔरपरंपराओंसेमजबूतीमिलतीहै ।जनकपुरऔरअयोध्याकेसंबंधआदिकालसेरहेहैं । इसमहाननगरीकेनिवासीउनपारिवारिकसंबंधोंकेउत्तराधिकारी हैंजोराजाजनकऔरराजादशरथकेबीचस्थापितहुएथे । भारतकेलोगोंकीनजरमेंइसअनोखेसंबंध, साझापरंपराओंऔरसमृद्धविरासतकाबहुतऊँचा स्थान है ।

दोस्तो, नेपाल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी को भारत द्वारा बहुत ज्यादा महत्व दिया जाता है । एक घनिष्ठ और मित्रतापूर्ण पड़ोसी के रूप में भारत की हमेशा यही इच्छारहीहैकिनेपालमेंशांति, स्थायित्वऔरसम्पन्नताहो ।

मैंलोगोंकेप्रयासऔरनेपालसरकारकीसराहनाकरताहूंकिआपनेसमावेशीआर्थिकविकासको प्राप्तकियाहैऔरअपनेलोगोंकेलिएएकशांतिपूर्णऔरखुशहालजीवनसुनिश्चितकियाहै ।

नेपालकेसाथविकासकीभागीदारीमेंअपनेघनिष्ठसंबंधऔरनेपालकीमैत्रीपूर्णजनताकीउपल ब्धियोंपरभारतकोगर्वहै ।

भारतकीजनताऔरभारतसरकारनेपालकेसाथअपनेघनिष्ठसंबंधोंकोएक दूसरे के हित मेंतथापरस्परविश्वासकेआधारपरऔरभीगहराईतथाविस्तारदेनेकेलिएप्रतिबद्धहैं ।

पर्यटनक्षेत्रकोबढ़ावाजनकपुरकेआर्थिकविकासकीकुंजीहै । अभी हाल ही में जनकपुरऔरअयोध्यानेअपनेप्राचीनसंबंधोंकोजुड़वांशहरसमझौते (Twin City Agreement) द्वारा फिर से मजबूत कियाहै ।

लाखोंतीर्थयात्रियोंकोबेहतरसुविधाओंकेसाथरामायण पर्यटन क्षेत्र (Ramayana tourism circuit) केविकाससेनकेवलरोजगारकेअवसरपैदाहोंगेबल्किहमारीसाझाविरासतकीकहानी कोभीमजबूतीप्रदानकरेंगे ।

जनकपुरकेचारोंओरपरिक्रमापथपरदोधर्मशालाओंकेनिर्माणकीघोषणाकरतेहुएमुझेप्रसन्न ताहोरहीहै ।

मुझेआशाहैकियेदोनोंधर्मशालाएंनेपालऔरभारतदोनोंदेशोंकेतीर्थयात्रियोंकेलिएलाभदायकहोंगी ।

जनकपुरआध्यात्मिकऔरभौगोलिकदोनोंदृष्टियोंसेभारतकेनजदीकहै ।

यहअतिआवश्यकहैकिलोगोंके

आवागमनकोआसानबनानेकेलिएसीमावर्तीक्षेत्रमेंबुनियादीसुविधाओंऔरसम्पर्कमार्गकेविकासपर

पर्याप्तध्यानदियाजाए ।

आजकल,

नेपालकेलोगोंकीप्राथमिकताओंकोध्यानमेंरखतेहुएदोनोंसरकारेंसंपर्कमार्गोंकेविकासऔरतराईकीस

ड़कों, सीमाकेआर-पाररेलसंपर्कों, समेकितजांचचौकियों(Integrated Check Posts), विद्युत वितरण लाइनों (Power Transmission Lines) के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दे रही हैं ।

येपरियोजनाएंनकेवलनेपालकेसामाजिक-

आर्थिकऔरआधारभूतसुविधाओंकेरूपांतरणकेलिएमहत्वपूर्णहैंबल्किव्यापार,

निवेशऔरलोगोंकेआवागमनकोसुविधाजनकबनानेकेलिए

हमारेसहयोगपूर्णप्रयासोंकोभीदर्शातीहैं ।

भारतसरकारद्वारा भारत-नेपालसीमापरप्रवेशमार्गपरचारसमेकितजांचचौकियों (Integrated Check Posts) के निर्माण में सहयोग किया जा रहा है । बीरगंज और बिराटनगर में समेकित जांच चौकियों से जनकपुर और इसके आस-पास के लोगों को काफी सहूलियत होगी ।

मुझे पता चला है कि बीरगंज की समेकित जांच चौकी जल्द ही प्रारंभ हो जाएगी । अपनी आधुनिक सुविधाओं के साथ ये समेकित जांच चौकियां व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने और सीमा के आर-पार लोगों के सुविधाजनक आवागमन के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होंगी ।

मैं नेपाल के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्रीश्री बिमलेन्द्र निधि को आज यहां उपस्थित होने के लिए धन्यवाद देता हूं ।

उनके पिता स्वर्गीय श्री महेन्द्र नारायण निधिनकेवलएकमहाननेपालीनेताथेबल्किअपनेजीवनऔरराजनैतिकदर्शनमेंनिष्ठावान गांधीवादी भीथे ।

इसअवसरपरमैंगांधीवादऔरगांधीदर्शनकेप्रचारमेंउनकेअमूल्ययोगदानकोयादकरतेहुएउनकीस्मृतिकोसादरनमनकरताहूं ।

हमसभीभारतऔरनेपालकेसांस्कृतिकराजदूतहैं

। हमअपनेसम्मिलितप्रयासोंसेपूरीदुनियाकोशांतिऔरप्रेमकासंदेशदेसकतेहैंजोहमेंभगवानरामऔर देवीसीतासेप्राप्तहुआहै । येहमसबकीजिम्मेदारीहैकिहमअपनेपूर्वजोंकीविरासतकोआगेबढ़ाएं । यहीउनकेप्रतिहमारीसच्चीश्रद्धांजलिहोगी ।

आइयेउनकेआशीर्वादकेसाथहमसभीइसदिशामेंकामकरें ।

हमारेदोनोंमहानदेशोंकेलोगोंकेबीचसद्भावऔरआपसी भाई चाराअमररहे ।

नेपालभारतमैत्रीअमररहोस (नेपाल भारत मैत्री अमर रहे)

*****